लखनऊ, मेरठ, गाजियाबाद एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात
प्रकाशन का 73 वां
स्थापित 1944

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

सुविचार

खुद की तरक्की में इतना वक्त लगा दो कि किसी दूसरे की बुराई का वक्त ही न मिले।

पर्यावरण पर सीईजीआर की पुस्तक में एसएमएस के दो अध्याय शामिल

लखनऊ। प्रभात

वातावरण में प्रदूषण के बढ़ने व वैश्विक तापमान में वृद्धि से मुख्यतः पर्यावरण में असन्तुलन व जलवायु परिवर्तन पैदा हो रहा है। इसके कारण सम्पूर्ण विश्वमें जनजीवन प्रभावित हो रहा है। अतः जनमानस को पर्यावरण के महत्व के प्रति जागरूक किया जाना अति आवश्यक है। इसी क्रम में शिक्षा विकास और अनुसंधान केंद्र (सीईजीआर) ने एक पुस्तक 'पर्यावरण के मुद्दे' प्रकाशित की है, जिसमें स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) को दो अध्याय लिखने व पुस्तक में शामिल होने का मौका मिला। यह पुस्तक तकनीकी शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी लागू की जायेगी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महानिदेशक, प्रो. भरत राज सिंह, जो एक वरिष्ठ पर्यावरणविद हैं, ने इस

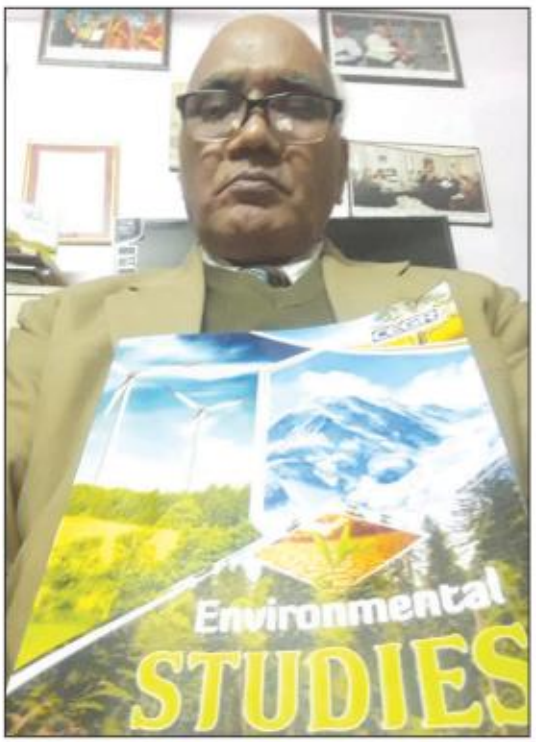

पुस्तक को एमएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह को भेट किया। एसएमएस, लखनऊ प्रदेश का पहला संस्थान है जिसे शिक्षा विकास और अनुसंधान केंद्र (सीईजीआर) की पुस्तक में अपने दो अध्याय- अक्षय व स्वच्छ ऊर्जा तथा सिविल सोसाइटी और पर्यावरण को जोड़ने का मौका मिला।